पाठ-1

प्रार्थना

– डॉ. जयकुमार जलज

आइए सीखें

◆ माँ से विविध गुण-शील की याचना ◆ कविता के निहित भाव को समझना ◆ कविता का हाव-भाव, लय के साथ वाचन ◆ पर्यायवाची एवं विलोम शब्दों का ज्ञान।

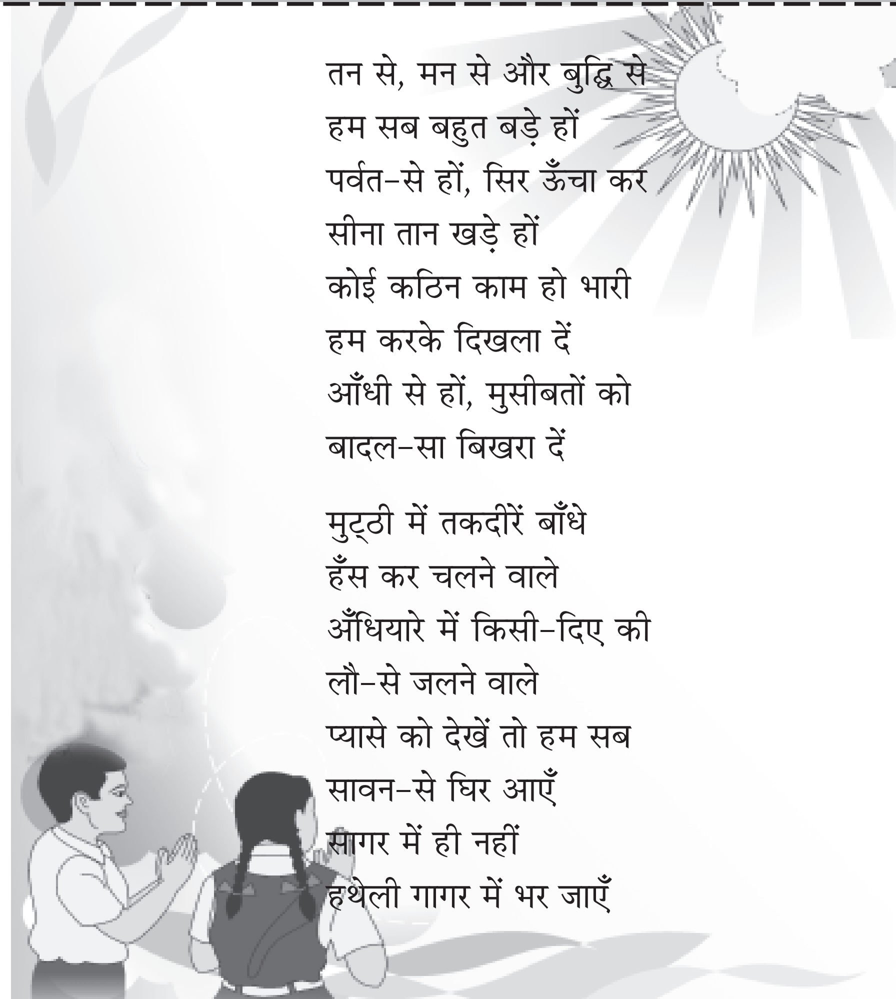

तन से, मन से और बुद्धि से
हम सब बहुत बड़े हों
पर्वत-से हों, सिर ऊँचा कर
सीना तान खड़े हों
कोई कठिन काम हो भारी
हम करके दिखला दें
आँधी से हों, मुसीबतों को
बादल-सा बिखरा दें

मुट्ठी में तकदीरें बाँधे
हँस कर चलने वाले
अँधियारे में किसी-दिए की
लौ-से जलने वाले
प्यासे को देखें तो हम सब
सावन-से घिर आएँ
सागर में ही नहीं
हथेली गागर में भर जाएँ

शिक्षण संकेत

◆ कठिन शब्दों के अर्थ वाक्य-प्रयोग कर समझाएँ ◆ कविता का हाव-भाव व लय के साथ बच्चों से वाचन कराएँ ◆ कविता का भावार्थ रोचक ढंग से समझाएँ।

थके हुए के लिए
हवा की तरह सदैव बहें हम
धरती-से हां
अपने सुख-दुख को चुपचाप सहें हम
उठे हमारा हाथ
दीन दुखियों का दुख हरने को
रहे न फुरसत
बैठें आँखों में आँसू भरने को

माँ! इन नन्हे हाथों को
बस यह प्रसाद दो अपना
ये उस तक भी पहुँचे
जिसको
सब कहते हों सपना

शब्दार्थ

मुसीबत=कठिनाई, संकट। **भारी**=बहुत बड़ा, गंभीर। **आँधी से हों**=आँधी के समान, सघन, भयानक। **तकदीर**=भाग्य, किस्मत। **दिए**=दीपक। **आँखों में आँसू भरना**=रोना, निराश होना। **सपना**=स्वप्न, कल्पित लक्ष्य।

अनुभव-विस्तार

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. **(क) जोड़ी बनाइए—**

- सिर – तान
- सीना – ऊँचा
- दिया – गागर
- सागर – लौ

(ख) दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर काव्य पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए—

- अपने सुख-दुख को .... सहें हम। (चुपचाप/सहर्ष)
- थके हुए के लिए................ सदा बहे हम। (दवा की तरह/हवा की तरह)
- बैठें आँखों में .... भरने को। (आशा/आँसू)
- माँ! इन नन्हें हाथों को बस यह .... दो अपना।(प्रभार/प्रसाद)

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्य में लिखिए—

(क) कवि अपनी मुट्ठी में क्या बाँधना चाहता है?

(ख) हम सीना तानकर किस प्रकार खड़े हों?

(ग) कवि नन्हें हाथों में किस प्रसाद को चाहता है?

(घ) इस कविता में 'माँ' का संबोधन किसके लिए है?

लघु उत्तरीय प्रश्न

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन से पाँच वाक्यों में लिखिए—

(क) कवि माँ से क्या-क्या प्रार्थना करता है?

(ख) 'सावन से घिर आएँ' का क्या तात्पर्य है?

(ग) कवि नन्हें हाथों को कहाँ तक पहुँचाना चाहता है?

(घ) इस कविता का भावार्थ लिखिए।

भाषा की बात

4. निम्नलिखित शब्दों के सही उच्चारण कीजिए—

बुद्धि, आँधी, मुसीबत, तकबीर, लौ, अँधियारे

5. निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी शुद्ध कीजिए—

साबन, बुद्धी, पिरसाद, सदेव, परबत, पियासे

6. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए—

पर्वत, सिर, सागर, हवा, धरती, आँख

7. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए—

ऊँचा, कठिन, अँधियारा, सुख, बड़े, बिखराना

अब करने की बारी

- माँ की प्रार्थना से सम्बन्धित हिन्दी, संस्कृत या अन्य भाषा के गीत याद कीजिए।
- 'सावन उल्लास का महीना है।' ऐसे ही उल्लास भरने वाले अन्य महीनों की जानकारी प्राप्त कीजिए।
- सपनों को साकार बनाने वाले महापुरुषों की प्रेरक कथाओं का संग्रह कीजिए।

❑❑